मूल्य 1 रु.

वर्षः 9 - अंक : 230, मुंबई, मंगलवार, 26 नवंबर, 2019 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक

मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त (R)

अब हर सच होगा उजागर

महानाटक चालू आहे

बेहयात सियासत

शक्ति सदन में, प्रदर्शन होटल में

गुपचुप सरकार की कागजी ताकत का फैसला अदालत में

मुंबई। विजय तेंडुलकर के एक चर्चित नाटक का शीर्षक है- 'शांतता! कोर्ट चालू आहे' यानी शांत रहिए, अदालत की कार्यवाही जारी है। महाराष्ट्र में तीन दिन से जारी घटनाक्रम कुछ ऐसा है। देश की सर्वोच्च अदालत महाराष्ट्र में फ्लोर टेस्ट कराने की मांग पर मंगलवार सुबह 10:30 बजे फैसला सुनाएगी। इससे एक दिन पहले सोमवार को राकांपा, कांग्रेस और शिवसेना ने मुंबई के होटल ग्रैंड हयात में शक्ति प्रदर्शन किया। इसमें 162 विधायकों के बीच राकांपा अध्यक्ष शरद पवार, उनकी बेटी सुप्रिया सुले, छगन भुजबल, शिवसेना अध्यक्ष उद्धव ठाकरे, बेटे आदित्य ठाकरे, कांग्रेस नेता अशोक चह्वाण, मल्लिकार्जुन खड़गे जैसे नेता मौजूद थे। (शेष पृष्ठ 5 पर)

विपक्षी दलों के विधायकों की परेड

शरद पवार ने कहा- गोवा नहीं, महाराष्ट्र है, फ्लोर टेस्ट में 162 से ज्यादा एमएलए लाऊंगा

उद्धव बोले- हमारी संख्या ज्यादा, एक फोटो में नहीं दिखाई दे सकते

हयात होटल में विधायक परेड के दौरान उद्धव ठाकरे ने कहा कि अब हमारे दोस्त बढ़ गए हैं। सत्ता में जय नहीं, सत्यमेव जयते होना चाहिए। हम 5 साल के लिए आए हैं और आप जो ताकत अब देख रहे हैं, वह आगे भी जारी रहेगी। हमें जितना दबाया जाएगा, हम उतने ही मजबूत होंगे। हम सिर्फ 5 साल कुर्सी पर बैठने नहीं आए, बल्कि 25-30 साल के लिए आए हैं। हमारी संख्या इतनी ज्यादा है कि वह एक फोटो में नहीं आ सकती।

भाजपा ने कहा- बहुमत के लिए जो करना होगा, करेंगे

भाजपा नेता नारायण राणे ने कहा कि महाराष्ट्र की जनता ने हमें जनादेश दिया था, इसलिए हमने सरकार बनाई। अब बहुमत साबित करने के लिए हमें जो कुछ भी करना पड़ेगा, हम करेंगे। इससे पहले मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री अजित पवार दोनों मंत्रालय पहुंचे। दोनों ने पूर्व मुख्यमंत्री यशवंतराव चव्हाण की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। आज उनकी पुण्यतिथि है।

कांग्रेस का दावा- कभी भी विधायकों की परेड करवा सकते हैं

कांग्रेस के बाला साहब थोराट, अशोक चव्हाण, राकांपा के जयंत पाटिल और शिवसेना के एकनाथ शिंदे साथ ने सोमवार को राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी की गैर-मौजूदगी में राजभवन में मौजूद अधिकारी को विधायकों के समर्थन वाला पत्र सौंपा। पाटिल ने कहा कि इस सूची में 162 विधायकों के नाम और हस्ताक्षर हैं। हम किसी भी वक्त राज्यपाल के समक्ष इनकी परेड करा सकते हैं।

राज्यपाल को समर्थन पत्र सौंप चुके हैं राकांपा-कांग्रेस-शिवसेना

महाराष्ट्र में फ्लोर टेस्ट को लेकर सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को सुनवाई के दौरान ही शिवसेना, कांग्रेस और राकांपा ने राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी को 162 विधायकों के समर्थन का पत्र सौंपा। हालांकि, तीनों दलों ने पहले भी सुप्रीम कोर्ट में 154 विधायकों का हलफनामा सौंपा था, जो उन्हें वापस लेना पड़ा था।

नवाब मलिक का ट्वीट- हमें भी जिद है आशियां बसाने की

राकांपा प्रवक्ता नवाब मलिक ने सरकार बनाने को लेकर एक बार फिर से प्रतिबद्धता जताई और उन्होंने एक शेर ट्वीट किया। मलिक ने लिखा- अगर फलक को जिद है बिजलियां गिराने की तो हमें भी जिद है, वहीं पर आशियां बसाने की। कुछ इसी अंदाज में शिवसेना के प्रवक्ता संजय राउत ने भी ट्वीट किया। उन्होंने अपने ट्वीट के जरिए संदेश दिया कि मौजूदा राजनीतिक घटनाक्रम राज्य के इतिहास का अहम पन्ना है। उन्होंने ट्वीट किया- इतिहास बीती हुई राजनीति है और राजनीति मौजूदा इतिहास है।

॥शुभ लाभ॥

MIX MITHAI

• मोतीचूर लड्डू • काजू कतरी • काजू रोल
• बदाम बर्फी • मलाई पेड़े • रसगुल्ले

MM MITHAIWALA

Malad (W) Tel. : 288 99 501

सेना ने इजराइल से 240 स्पाइक मिसाइलें खरीदीं, बंकरों का सफाया करने में सक्षम

आपातकालीन स्थितियों से निपटने में सक्षम यह मिसाइलें एलओसी पर तैनात होंगी

नई दिल्ली। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकी ठिकानों पर प्रभावी कार्रवाई के लिए सेना एलओसी पर 'स्पाइक' एंटी टैंक मिसाइल तैनात करेगी। यह बात सोमवार को रक्षा विभाग के सूत्रों के हवाले से ने बताई। 'स्पाइक' एक गाइडेड मिसाइल है, जिसका इस्तेमाल बंकरों में छिपे आतंकियों को निशाना बनाने के लिए किया जा सकता है। बालाकोट एयर स्ट्राइक के बाद सेना ने स्पाइक मिसाइल की तैनाती को लेकर योजना बनाई थी। (शेष पृष्ठ 5 पर)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

संक्षिप्त खबर

बसों की कमी ने बढ़ाई बेस्ट की चिंता

मुंबई। शुक्रवार को बृहनमुंबई इलेक्ट्रिक सप्लाई ऐंड ट्रांसपोर्ट (इएस्ळ) की बैठक में समिति के सदस्यों के बसों की स्थिति को लेकर चिंता जाहिर की। सदस्यों ने बस ड्राइवर और कंडक्टरों की कमी के कारण सर्विस पर पड़ रहे प्रभाव पर चर्चा की।

इस बैठक के दौरान बेस्ट 2200 करोड़ के घाटे वाले बजट पर चर्चा होनी थी। इस दौरान भारतीय जनता पार्टी के सदस्यों ने बताया कि बसों के देरी से चलने के कारण रोजाना लगभग 2500 घंटे (कुल सर्विस) का घाटा हो रहा है। रिलिवर उपलब्ध नहीं होने के कारण बसें डिपो से देरी से निकलती हैं।

बीजेपी के वरिष्ठ सदस्य श्रीकांत कवथंकर ने बताया कि स्टाफ की कमी के कारण सप्ताहांत में बहुत ही बुरी स्थिति हो जाती है। शनिवार और रविवार को 40-60 प्रतिशत स्टाफ को साप्ताहिक अवकाश दिया जाता है। 2019-20 में बेस्ट प्रशासन द्वारा 4050 बसों का प्रस्ताव दिया गया था, लेकिन अभी 3198 बसें ही सर्विस में हैं। कवथंकर ने बताया कि वेट लीज पर केवल 23 बसें ही अब तक आई हैं, इसके आगे कोई बस आने की संभावना भी कम है।

बेस्ट ने यूनियन के साथ अनुबंध कर 3337 बसों के रखरखाव का भी भरोसा दिया था। लेकिन अब 2020-21 में 896 बसें भंगार हो जाएंगी। इनमें से 726 सिंगल और 72 डबल डेकर बसें हैं। सदस्यों का कहना था कि बेस्ट के अपने बेड़े में बसों की कमी हो रही हैं और नई बसें खरीदने की प्रक्रिया शुरू नहीं हुई। इसी बीच बीजेपी के सदस्यों ने बेस्ट की सामान्य बसों का किराया घटाने का स्वागत करते हुए कहा कि वातानुकूलित बसों का किराया बढ़ाया जा सकता है। किराया घटाने के कारण बेस्ट को रोजाना लगभग 77 लाख रुपये का घाटा हो रहा है, जो करीब 250 करोड़ रुपये सालाना होता है।

समिति सदस्यों की चर्चा के दौरान बेस्ट महाप्रबंधक सुरेंद्र कुमार बागड़े ने कहा कि उन्हें बेस्ट डिपो में निजी वाहनों की पार्किंग से अब तक 70 लाख रुपये की कमाई हुई है।

खरीद-फरोख्त की आशंका के बीच राकांपा ने दो होटलों में भेजे अपने विधायक

मुंबई। महाराष्ट्र में जारी राजनीतिक ड्रामे और विधायकों के खरीद-फरोख्त की आशंका के बीच राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) ने अपने विधायक शहर के पांच सितारा रिजॉर्ट से निकाल दो होटल में भेजे। सूत्रों के अनुसार राकांपा के विधायक जो पवई इलाके के होटल रेनेसां में रहे रहे थे उन्हें सान्ताक्रूज के होटल ग्रैंड हयात और बान्द्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) के सोफिटेल में भेज दिया गया है। संयोगवश भाजपा नेता रविन्द्र चव्हाण को रविवार को होटल रेनेसां जाते देखा गया था।

सूत्रों ने बताया कि कांग्रेस विधायक अब भी अंधेरी उपनगर के जेडब्ल्यू मैरियट होटल में ही हैं। उन्होंने बताया कि शिवसेना के विधायक अंधेरी में अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे के पास अब भी ललित होटल में हैं लेकिन उन्हें भी किसी अन्य रिजॉर्ट में भेजा जा सकता है। कांग्रेस नेता अशोक चव्हाण ने रविवार को आरोप लगाया था कि भाजपा नेताओं ने उस होटल में कमरे बुक किए हैं, जहां उनके विधायक रह रहे हैं और उनसे सम्पर्क करने की भी कोशिश कर रहे हैं।

गौरतलब है कि महाराष्ट्र में अप्रत्याशित राजनीतिक घटनाक्रम में राज्यपाल ने शनिवार की सुबह देवेंद्र फडणवीस को मुख्यमंत्री और अजित पवार को उप मुख्यमंत्री पद की शपथ दिलायी गयी । राज्य में भाजपा और शिवसेना ने मिल कर विधानसभा चुनाव लड़ा था और गठबंधन को बहुमत मिला था जिसमें भाजपा की 105 और शिवसेना की 56 सीटें आई थीं। राज्य में विधानसभा की 288 सीटें हैं। राकांपा और कांग्रेस ने गठबंधन में चुनाव लड़ा था और उन्हें क्रमशः 54 और 44 सीटें मिली हैं।

हमारे पास आवश्यक आंकड़ा है: शिवसेना-राकांपा-कांग्रेस ने राज्यपाल को भेजे पत्र में कहा

मुंबई। शिवसेना, राकांपा और कांग्रेस के नेताओं ने सोमवार को महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी के पास एक पत्र भेजा जिसमें उन्होंने दावा किया है कि राज्य में सरकार गठन के लिए आवश्यक आंकड़ा उनके पास है। पत्र पर शिवसेना, राकांपा और कांग्रेस के विधायक दल के नेताओं एकनाथ शिंदे, जयंत पाटिल और बालासाहेब थोराट के हस्ताक्षर हैं।

तीन दलों के चुनाव पश्चात बने गठबंधन महा विकास अघाड़ी ने दावा किया कि उनके पास बहुमत है जबकि हाल में शपथ ले चुके मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के पास सरकार गठन के लिए

विधायकों का आवश्यक आंकड़ा नहीं है। दलों ने पत्र में लिखा, विश्वास मत में फडणवीस के बहुमत साबित करने में असफल होने के बाद सरकार गठन के शिवसेना के दावे पर विचार करना चाहिए। उन्होंने कहा, हमने शिवसेना के दावे का समर्थन कर रहे राकांपा और कांग्रेस के विधायकों के नाम की सूची संलग्न की है। इसके अलावा कई छोटे दलों और निर्दलीय विधायकों की सूची भी है जिन्होंने हमें समर्थन दिया है। सरकार गठन के लिए हमें तत्काल बुलाया जाना चाहिए।

मुंबई में शनिवार को राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी ने राजभवन में सुबह आठ बजे भाजपा के देवेंद्र फडणवीस को मुख्यमंत्री और राकांपा के अजीत पवार को उप मुख्यमंत्री पद की शपथ दिलवाई थी।

कौन हैं बीजेपी के 'कैद' से एनसीपी के विधायकों को छुड़ा लाने वाली सोनिया दुहण और धीरज शर्मा

मुंबई। महाराष्ट्र में जारी सियासी ड्रामे के बीच सोमवार को एनसीपी के 4 और विधायक शरद पवार खेमे में वापस आ गए। एनसीपी ने दावा किया है कि ये विधायक हरियाणा के गुरुग्राम में एक होटल के अंदर बीजेपी के 'कैद' में थे। इन विधायकों को वापस लाने का श्रेय सोनिया दुहण और पार्टी के यूथ विंग के नेता धीरज शर्मा को दिया जा रहा है। आइए जानते हैं कि कौन हैं सोनिया दुहण और धीरज शर्मा तथा बीजेपी के 'किलेबंदी' से कैसे निकाला...

सोनिया दुहण एनसीपी के छात्र विंग नैशनलिस्ट स्टूडेंट कांग्रेस की अध्यक्ष हैं। एनसीपी नेता सोनिया ने बताया कि गुरुग्राम के ओबरॉय

होटल में इन विधायकों को बंदी बनाकर रखा गया था। उन्हें किसी से बात नहीं करने दी जा रही थी। सीएम मनोहर लाल खट्टर के निजी सचिव और गुड़गांव के बीजेपी के जिला अध्यक्ष इन विधायकों की देखरेख कर रहे थे। इन तीन विधायकों पर नजर रखने के लिए 150 बीजेपी कार्यकर्ता लगाए गए थे।

उन्होंने एक टीवी चैनल से बातचीत में कहा, 'हरियाणा के हमारे कुछ लोगों ने बताया कि इन विधायकों ने उनसे संपर्क किया और बताया कि वह शरद पवार के साथ हैं।

दूरदर्शन और आकाशवाणी भी कवर नहीं कर सके शपथग्रहण

मुंबई। महाराष्ट्र में सियासी उलटफेर इतना तेजी से हुआ कि नैशनल ब्रॉडकास्टर प्रसार भारती तक को देवेंद्र फडणवीस और अजित पवार के शपथग्रहण समारोह का न्योता नहीं मिला। बता दें कि मुंबई स्थित राजभवन में शनिवार को मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री के पद की शपथ ली गई थी। यह खबर तब सामने में आई जब समाचार एजेंसी एएनआई ने 8 बजे इसे ब्रेक किया।

प्रसार भारती के अधिकारियों ने कहा, 'डीडी न्यूज को समारोह के बारे में जानकारी तक नहीं थी।

बॉलिवुड ऐक्ट्रेस तोरा खासगीर के विदेशी पति से रु.1 करोड़ का ड्रग जब्त

मुंबई। ऐंटी नार्कोटिक्स सेल ने एक ऑस्ट्रेलियाई नागरिक डॉक्टर रेजा फरेडून बोरहानी को गिरफ्तार किया है। वह बॉलिवुड ऐक्ट्रेस और मॉडल तोरा खासगीर का पति है। डीसीपी शिवदीप लांडे ने बताया कि आरोपी को शुक्रवार को बांद्रा से पकड़ा गया। उसके पास से 31.5 ग्राम एलएसडी ड्रग जब्त किया गया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत 1 करोड़ 8 लाख रुपये से ज्यादा है। किला कोर्ट ने उसे 27 नवंबर तक पुलिस कस्टडी में भेज दिया है।

डॉक्टर बोरहानी केनाबिस हेल्थ ऐंड साइंस प्राइवेट लिमिटेड का संस्थापक और प्रेसिडेंट है। उसका नाम गोवा की तमाम रेव पार्टी से निकला था। तब से उसकी खोजबीन चल रही थी। शुक्रवार को जब उसके मुंबई आने की खबर मिली, तो इंस्पेक्टर सुनील जाधव और प्रशांत मोरे ने ट्रैप लगाया और उसे गिरफ्तार किया।

सूत्रों का कहना है कि डॉक्टर बोरहानी ऑस्ट्रेलिया से बैंकॉक गया था। 20 नवंबर को वह वहां से भारत आया और असम गया। असम में एलएसडी ड्रग लेकर मुंबई किसी ग्राहक को देने के लिए लाया था। असम में उसे ड्रग किसने दिा, जांच अधिकारियों ने अभी इसका खुलासा नहीं किया है। असम में उसकी पत्नी तोरा खासगिर रहती है। ऐंटि नार्कोटिक्स सेल की टीम उससे भी पूछताछ करेगी।

तोरा ने 'असंभव', 'प्यार में कभी-कभी' और 'विक्टोरिया 2003' में काम किया है। उसे साल 2002 में बेस्ट ऐशियन मॉडल अवॉर्ड भी मिल चुका है। उसकी बोरहानी से मुंबई में एक अवॉर्ड समारोह में मुलाकात हुई । दोनों ने साल 2004 में ऑस्ट्रेलिया में शादी कर ली।

ऐंटि नार्कोटिक्स सेल को आरोपी के पास से ऑस्ट्रेलिया का पासपोर्ट और ढकड कार्ड मिला है। इमिग्रेशन और एसबी-2 के अधिकारियों से उसके पासपोर्ट को पूरी जानकारी देने को कहा गया है, ताकि यह पता किया जा सके कि वह भारत में कब-कब आया और दुनिया के भी किन-किन शहरों में आता-जाता रहा।

मुंबई, गोवा, बेंगलुरु में नाइट पार्टी में अमूमन कोकेन के बाद एलएसडी (लाइसर्जिक एसिड डाइएथाइलामाइड) ड्रग की सबसे ज्यादा डिमांड रहती है।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9769659975**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

संजय राउत ने चंबल के डकैतों से की बीजेपी की तुलना

कहा- बहुमत था तो गुंडागर्दी क्यों

मुंबई। महाराष्ट्र में बहुमत परीक्षण से पहले सियासी घमासान तेज हो गया है। शिवसेना के वरिष्ठ नेता संजय राउत ने बीजेपी पर बहुमत जुटाने के लिए खरीद-फरोख्त का आरोप लगाया है। इसके साथ ही शिवसेना नेता ने एक बार फिर दावा किया कि महाराष्ट्र में उनकी ही सरकार बनेगी। राउत ने मुंबई में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान बीजेपी और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को निशाने पर लिया।

बहुमत के लिए बीजेपी पर अनैतिक हथकंडे अपनाने का आरोप लगाते हुए राउत ने कहा, 'यदि आपके पास बहुमत था तो गुंडागर्दी क्यों कर रहे हैं। चंबल के डकैतों जैसा काम कर रहे हैं। महाराष्ट्र की सियासत ऐसी थी कि यशवंत राव चव्हाण जब सबसे बड़ा दल होने के बावजूद राष्ट्रपति से मिले थे तो उन्होंने कहा कि मेरे पास बहुमत नहीं है, इसलिए मैं सरकार नहीं बनाऊंगा।'

शिवसेना प्रवक्ता ने एनसीपी और कांग्रेस के साथ सरकार बनाने का दावा करते हुए कहा, 'आज शिवसेना-एनसीपी और कांग्रेस

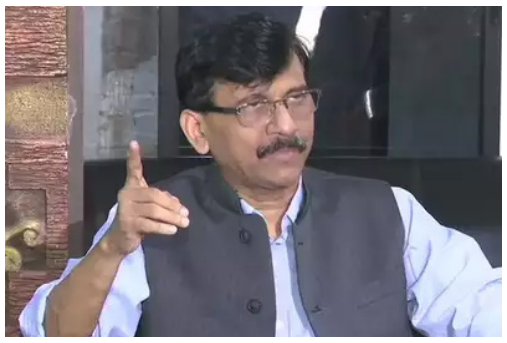

के नेता राज्यपाल से मिलेंगे, महाराष्ट्र में हमारी ही सरकार बनेगी। बीजेपी ने गवर्नर और राष्ट्रपति के साथ जनता को भी फंसाया। बहुमत नहीं होते हुए भी उन्होंने शपथ ली और बहुमत जुटाने के लिए तमाम गलत काम कर रहे हैं। सत्ता के लिए पागलपन हो रहा है।'

राउत ने बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा, 'महाराष्ट्र में खरीद-फरोख्त हो रही है। बीजेपी सरकार बनाने के लिए साजिश कर रही है। ऑपरेशन कमल तो महाराष्ट्र की जनता ने कर दिया। ऑपरेशन कमल में चार लोग हैं। सीबीआई, ईडी, इनकम टैक्स और पुलिस ऑपरेशन कमल में शामिल हैं।

इसके साथ ही शिवसेना नेता ने न्यायपालिका पर भरोसा जताते हुए कहा, 'सुप्रीम कोर्ट में हमारा पूरा विश्वास है। आज एक ही संस्था बची है जिस पर हमारा विश्वास है।' बता दें कि 23 नवंबर को महाराष्ट्र में हुए एक चौंकाने वाले घटनाक्रम में देवेंद्र फडणवीस ने मुख्यमंत्री और एनसीपी के अजित पवार ने डेप्युटी सीएम की शपथ ली थी। हालांकि विपक्ष का कहना है कि फडणवीस के पास बहुमत नहीं है। एनसीपी-कांग्रेस और शिवसेना ने इस मामले में सुप्रीम कोर्ट में अर्जी दाखिल कर जल्द बहुमत परीक्षण की मांग की है।

मुंबई की तर्ज पर देशभर में शुरू होंगे मेडिकल रूम

मुंबई। उपनगरीय स्टेशनों पर आपातकालीन मेडिकल सुविधा शुरू होने के बाद अब देशभर में मुख्य रेलवे स्टेशनों पर इसे शुरू करने की योजना बनाई जा रही है।

हाल ही में रेलमंत्री पीयूष गोयल ने वन रुपी क्लिनिक की मदद से स्टेशन पर हुई बच्चे की डिलिवरी वाला ट्वीट पोस्ट किया था।

संसद में भी रेलवे स्टेशनों पर मेडिकल सुविधाओं के संबंध में सवाल पूछा गया था। इसका जायजा लेने के लिए रविवार को रेलवे बोर्ड के ईडी हेल्थ डॉक्टर श्रीधर ने ठाणे स्थित वन रुपी क्लिनिक का दौरा किया।

मराठी राजनीति को चौंका रहे दो चेहरे- अजित पवार और भगत सिंह कोश्यारी

मुंबई। महाराष्ट्र की राजनीति में इस वक्त दो नामों की चर्चा सबसे अधिक हैं। एक भगत सिंह कोश्यारी और दूसरे अजित पवार। भगत सिंह कोश्यारी के राज्यपाल बनने के बाद ही महाराष्ट्र में सरकार गठन का पेच कुछ ऐसा फंसा कि वह मीडिया की सुर्खियों में लगातार बने हुए हैं। उधर अजित पवार ने ऐसा दांव चला, जिसकी कल्पना राजनीति के बड़े-बड़े पंडित भी नहीं कर पाए। राजनीतिक विरासत को लेकर उनकी लंबे समय से अपने चाचा से नहीं पट रही है।

लगभग तीन दशक पहले राजनीति में आने वाले अजित पवार ने पहली बार अपने चाचा शरद पवार की छत्रछाया से निकलकर अपने

लिए अलग रास्ता चुना है। वैसे वह काफी समय से उधेड़बुन में थे। कहा तो यह भी जाता है कि उधेड़बुन से बाहर निकलना उनके लिए कोई नया घटनाक्रम नहीं है। कभी फिल्मों में जाते-जाते अजित पवार इसी तरह से राजनीति में आ गए थे। अजित पवार के पिता अनंतराव पटेल फिल्मों से जुड़े थे और मशहूर फिल्मकार वी. शांताराम के साथ काम करते थे।

उनके करीबी बताते हैं कि शुरू में अजित पवार अपने पिता की तरह बॉलिवुड में किस्मत आजमाना चाहते थे। एक बड़ी फिल्म को लेकर बात हो गई थी, लेकिन बाद में अपने चाचा शरद पवार से प्रभावित होकर वह राजनीति में आ गए। अजित पवार ने अपनी सियासी एंट्री 28 साल की उम्र में सन 1991 में मारी थी और कांग्रेस के टिकट पर बारामती लोकसभा सीट से निर्वाचित हुए थे। बाद में जब शरद पवार को खुद एक सीट की जरूरत हुई तो अजित ने अपने चाचा के लिए यह सीट छोड़ दी। लोकसभा के बाद वे बारामती विधानसभा सीट से जीते और वहां से लगातार 6 बार चुने गए। इस बार भी उन्होंने वहीं से जीत हासिल की।

एनसीपी चीफ के इशारे पर अजित बीजेपी के साथ?

सवाल सुनकर मुस्कुराए शरद पवार

मुंबई। महाराष्ट्र के सियासी हालात को लेकर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई होने से पहले एनसीपी चीफ शरद पवार सतारा के कराड पहुंचे और पत्रकारों के हर सवाल का जवाब दिया। यहां उन्होंने कहा कि अजित पवार ने ऐसा क्यों किया इसकी उन्हें कोई जानकारी नहीं है। शरद पवार ने यह भी कहा कि अजित पवार की बगावत के पीछे उनका कोई हाथ नहीं है। अजित का बीजेपी के साथ जाने का फैसला उनका अपना था। उन्होंने कहा कि एनसीपी बीजेपी के साथ सरकार में शामिल नहीं होगी। अब जो कुछ भी साबित होगा वह विधानसभा में विश्वासमत के दौरान होगा।

सतारा के कराड में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान शरद पवार ने हर सवाल का बेबाकी से जवाब दिया। उन्होंने कहा कि अजित पवार से उनकी अब तक कोई बात नहीं हुई है। वहीं उनके इशारे पर अजित पवार के बीजेपी के साथ जाने के सवाल पर शरद पवार पहले तो मुस्कुराए, इसके बाद उन्होंने कहा, 'अगर ऐसा होता तो कम से कम अपनी पार्टी के लोगों को तो मैं साथ में लेता।' उन्होंने आगे कहा, 'मैं शिवसेना के साथ इतना आगे आ चुका हूं, तो मैं ऐसा कैसे कर सकता हूं, इस बारे में सोच भी नहीं सकता।' सरकार गठन में देरी को लेकर शरद पवार ने कहा, 'हमें 5 साल के लिए राज्य चलाना है। कांग्रेस और हम साथ थे और शिवसेना अलग विचारधारा वाली थी, इसलिए हमें उनके साथ हर एक मुद्दे पर बात करनी थी। हर एक चीज को स्पष्ट करना था।' शरद पवार ने कहा, 'जॉर्ज फर्नांडिस के साथ भी अटल बिहारी वाजपेयी ने सरकार बनाई थी। वह दौर भी हमने देखा, तब वाजपेयी ने सबको साथ बिठाया जो विवाद था उसे अलग रखा और कॉमन मिनिमम प्रोग्राम तय करके सरकार बनाई।'

इन्फ्रा, शिक्षा और स्वास्थ्य नई महापौर की प्राथमिकता

मुंबई। बीएमसी सभागृह में शुक्रवार को मुंबई की नई महापौर के रूप में किशोरी पेडणेकर निर्विरोध चुनी गईं। 56 वर्षीय पेडणेकर के खिलाफ किसी पार्टी द्वारा नामांकन न करने से उनका निर्वाचन निर्विरोध हो गया। उप-महापौर पद पर भी सुहास वाडकर निर्विरोध ही चुने गए। पेडणेकर ने एनबीटी से बातचीत में मुंबई को लेकर उनकी प्राथमिकताओं का जिक्र किया। इस दौरान उन्होंने बेहतर इन्फ्रास्ट्रक्चर, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और उम्दा स्वास्थ्य व्यवस्था लागू करने पर जोर देने की बात कही।

बीएमसी सभागृह में निर्विरोध

निर्वाचित होने वाली किशोरी पेडणेकर के पदभार समारोह में शामिल होने पूरे मुंबई से शिवसैनिकों का तांता लगा रहा। बीएमसी मुख्यालय के सामने भगवा झंडे और तमाम बैनर लगाए गए थे। पटाखों के शोर और मिठाई की मिठास के बीच पूरा माहौल खुशनुमा था। महापौर चुनाव के बाद भी उन्हें बधाई देने वालों का मजमा लगा रहा। पदभार संभालने के बाद किशोरी पेडणेकर ने हुतात्मा चौक पर जाकर वीरों को याद किया। वे गेटवे ऑफ इंडिया पर जाकर शिवाजी महाराज का वंदन किया। पदभार संभालने के बाद पेडणेकर ने मुंबई के इन्फ्रास्ट्रक्चर में सुधार के साथ महानगर को अधिक सुरक्षित बनाने का वादा किया। उन्होंने मुंबईकरों से बेस्ट बसों का अधिकाधिक प्रयोग कर पब्लिक ट्रांसपोर्ट को बढ़ाने की भी अपील की। इसके अलावा, रेनवॉटर हार्वेस्टिंग के साथ पानी बचाने की भी अपील की। स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार और शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने पर उन्होंने काम करने का वादा किया। कामकाज का डिजिटलाइजेशन और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में सुधार को भी उन्होंने अपनी प्राथमिकता बताया। पेडणेकर ने कहा कि कचरा मुक्त मुंबई और गड्ढा मुक्त सड़क बनाने पर भी वे काम करेंगी।

मिल मजदूर के परिवार में जन्मी पेडणेकर पहली बार 2002 में नगरसेविका चुनी गई, फिर 2012 और 2017 में भी वे लगातार जीत कर बीएमसी सभागृह आईं। कार्यकाल के दौरान उन्होंने कई महत्वपूर्ण पद संभाले।

पवार फैमिली को दिखाया अजित पवार से स्नेह, सोशल मीडिया पर लिखा- दादा प्लीज कम बैक!

मुंबई। महाराष्ट्र की राजनीति तमाम हलचलों से भरा रहा। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) खासतौर से पवार परिवार अजित पवार को डेप्युटी सीएम पद से इस्तीफा देने के लिए मनाता रहा। पवार फैमिली ने सोशल मीडिया पर अजित पवार से सत्ता से पहले परिवार को रखने की इमोशनल अपील की। सुप्रिया सुले ने सोशल मीडिया पर एक भावुक पोस्ट लिखा कि सत्ता आती-जाती है सिर्फ संबंध मायने रखते हैं। बता दें शनिवार बाजी पलटते हुए बीजेपी ने एनसीपी के अजित पवार के साथ मिलकर सरकार बना ली। नई सरकार में अजित पवार ने डेप्युटी सीएम पद की शपथ ली। सुप्रिया सुले ने रविवार को सोशल मीडिया पोस्ट की पूरी सीरीज साझा की। सुले ने लिखा, 'शनिवार का दिन उनकी लाइफ का सबसे कठिन रहा और उसी दिन मैंने मजबूत बनने की कसम खाई।' उन्होंने बताया कि पार्टी नेतृत्व उनके भतीजे को मनाने के प्रयास में जुटा हुआ है।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

समाचार

मुंबई, मंगलवार
26 नवंबर, 2019

महाराष्ट्र में सरकार गठन के मुद्दे पर कांग्रेस का हंगामा, सदन आज 2 बजे तक स्थगित

राहुल बोले-लोकतंत्र की हत्या हुई

संवाददाता

मुंबई। संसद के शीतकालीन सत्र में सोमवार को महाराष्ट्र में सरकार गठन के मुद्दे पर कांग्रेस समेत विपक्ष ने दोनों सदनों में जमकर हंगामा किया। इसके बाद लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही मंगलवार दोपहर 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। लोकसभा में प्रश्नकाल के दौरान विपक्ष ने 'संविधान की हत्या बंद करो' और 'मोदी सरकार हाय-हाय' के नारे लगाए। राहुल गांधी ने कहा- मैं सदन में सवाल पूछने आया हूं, लेकिन जब महाराष्ट्र में लोकतंत्र की हत्या हो चुकी है तो इसका कोई मतलब नहीं। कांग्रेस सांसदों ने सोनिया गांधी की अगुआई में संसद परिसर में प्रदर्शन भी किया। पार्टी मंगलवार को भी अंबेडकर प्रतिमा के पास प्रदर्शन करेगी। कांग्रेस सांसदों ने लोकसभा की वेल में आकर हंगामा और नारेबाजी की। लोकसभा स्पीकर ओम बिड़ला ने उनसे सदन की गरिमा बनाए रखने

और शांत करने की अपील की, लेकिन वे नहीं माने। इस पर मार्शलों ने कुछ सांसदों को सदन से बाहर निकाल दिया। नाराज स्पीकर ने हंगामे करने वाले सांसदों से कहा कि ऐसा नहीं चलेगा और आगे कड़ी कार्रवाई होगी। स्पीकर ने गांधी प्रतिमा के पास प्रदर्शन करने और फिर माफी नहीं मांगने पर कांग्रेस सांसद टीएन प्रथपन और हिबी एडेन को सस्पेंड कर दिया।

कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने आरोप लगाया कि मार्शलों की कार्रवाई के दौरान महिला सांसदों के साथ धक्का-मुक्की की गई। हमें लोकसभा में इस तरह के बर्ताव की उम्मीद नहीं थी। वहीं, कांग्रेस सांसद हिबी एडेन ने कहा कि मार्शलों ने हमसे वेल में बैनर छीनने की कोशिश की। जिसका विरोध करने पर महिला सदस्यों के साथ दुर्व्यवहार हुआ। तमिलनाडु से कांग्रेस सांसद जोथामणि ने स्पीकर से धक्का-मुक्की की शिकायत की।

एसपीजी, फाइनेंस समेत तीन बिल पेश हुए

विपक्ष के हंगामे की वजह से दोनों सदनों की कार्यवाही कई बार स्थगित हुई। हालांकि, इस दौरान वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में फाइनेंस विधेयक, गृह राज्य मंत्री जी किशन रेड्डी ने एसपीजी (संशोधन) विधेयक और मनसुख मांडविया ने रिसाइकिलिंग शिपिंग बिल पेश किया।

इलेक्टोरल बॉन्ड और कश्मीरी नेताओं की हिरासत जैसे मुद्दे गूंजे

पिछले हफ्ते विपक्ष ने दोनों सदन में इलेक्टोरल बॉन्ड, गांधी परिवार की सुरक्षा घटाने, जेएनयू फीस विवाद, कश्मीर में नेताओं की हिरासत समेत अन्य मुद्दों को लेकर हंगामा किया था। वहीं, पिछले 5 कामकाजी दिनों में चिट फंड (संशोधन) विधेयक लोकसभा और सरोगेसी बिल राज्यसभा में तीखी बहस के बाद पारित हुआ। शीतकालीन सत्र 18 नवंबर को शुरू हुआ था, जो 13 दिसंबर तक चलेगा।

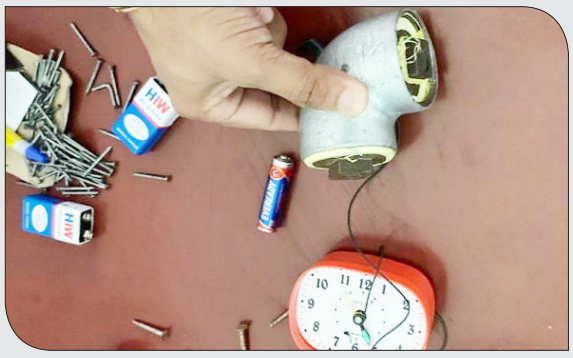

धमाकों की साजिश नाकाम, आईएस मॉड्यूल से जुड़े 3 संदिग्ध आईईडी के साथ गिरफ्तार : पुलिस

संवाददाता

नई दिल्ली। पुलिस की स्पेशल सेल ने सोमवार को बड़ी सफलता हासिल की। डीसीपी प्रमोद कुशवाह ने बताया कि तीन संदिग्धों को असम के गोलपारा से आईईडी (विस्फोटक) के साथ पकड़ा गया। तीनों के नाम इस्लाम, रंजीत अली और जमाल बताए गए हैं। डीसीपी कुशवाह ने बताया कि तीनों संदिग्ध आईएसआईएस के माड्यूल से ताल्लुक रखते हैं। तीनों गोलपारा में चल रहे एक मेले में आईईडी ब्लास्ट की योजना बना रहे थे। इसके बाद ऐसा ही धमाका दिल्ली में भी करने की योजना थी। ऐसा लगता है कि यह समूह इन लोगों ने खुद बनाया है। बाकी जानकारी इन लोगों से पूछताछ किए जाने के बाद ही सामने आ पाएगी।

(पृष्ठ 1 का शेष)

महानाटक चालू आहे

इस दौरान शरद पवार ने चुनौतीभरे लहजे में कहा कि यह गोवा-मणिपुर नहीं, महाराष्ट्र है...फ्लोर टेस्ट के दिन मैं 162 से ज्यादा विधायक लेकर आऊंगा। इससे पहले उद्धव ने कहा कि हम सिर्फ 5 साल के लिए सरकार में नहीं आ रहे, 25-30 साल के लिए आ रहे हैं। शिवसेना प्रवक्ता संजय राउत ने कहा कि राज्यपाल चाहें तो यहां आकर 162 विधायकों को देख लें। उधर भाजपा के खेमे में शांति है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने अफसरों के साथ पहली बैठक ली, पर इसमें डिप्टी सीएम अजित पवार नजर नहीं आए। देवेंद्र फडणवीस और अजित पवार के शनिवार अलसुबह गुपचुप शपथ ग्रहण के खिलाफ शिवसेना, राकांपा और कांग्रेस मिलकर शनिवार रात तक सुप्रीम कोर्ट पहुंच गई थी। संसद में भी इस मुद्दे पर खूब हंगामा होता रहा। राकांपा प्रमुख शरद पवार ने कहा- हम महाराष्ट्र के लोगों के लिए साथ आए हैं। राज्य में जो सरकार बनी वो बिना बहुमत के बनी है। कर्नाटक, गोवा और मणिपुर में भाजपा को कहीं भी बहुमत नहीं था मगर उन्होंने सरकार बनाई। बहुमत साबित करने में कोई दिक्कत नहीं होगी। जिस व्यक्ति को पार्टी से निष्कासित किया जा चुका है, वह कोई आदेश नहीं दे सकता है। फ्लोर टेस्ट वाले दिन मैं 162 से ज्यादा विधायक लेकर आऊंगा। यह गोवा नहीं महाराष्ट्र है। शरद पवार ने कहा- यह (अजित पवार का शपथ लेना और भाजपा को समर्थन करना) पार्टी का फैसला नहीं था और हम इसे समर्थन नहीं करते। यह कहना गलत है कि अजित की बगावत के पीछे मेरा कोई हाथ है। मेरा उससे कोई संपर्क नहीं हुआ है। उसे पार्टी से निकाला जाना है, या नहीं... इसका फैसला पार्टी स्तर पर लिया जाएगा। और, इस बात को लेकर कोई भी शक नहीं है कि महाराष्ट्र में राकांपा, शिवसेना और कांग्रेस मिलकर सरकार बनाएंगे। देवेंद्र फडणवीस ने शनिवार सुबह राज्यपाल के सामने सीएम पद की शपथ ली थी और उनके साथ अजित ने डिप्टी सीएम पद की शपथ ली थी। इसके अगले दिन अजित ने कहा था कि वे राकांपा में थे और रहेंगे। साथ ही यह भी कहा था कि भाजपा-राकांपा गठबंधन राज्य में स्थिर सरकार देगा। हालांकि, तब भी शरद पवार ने कहा था कि ऐसा कोई गठबंधन राकांपा नहीं करेगी। राकांपा विधायक दौलत दरोड़ा, नरहरि जिरवाल और नितिन पवार मुंबई लौट आए। ये सभी विधायक शनिवार को अजित पवार के शपथ ग्रहण में शामिल थे। हालांकि, मुंबई लौटने पर इन सभी विधायकों ने राकांपा अध्यक्ष शरद पवार के प्रति समर्थन जाहिर किया।

सेना ने इजराइल से 240 स्पाइक...

इन मिसाइलों से एलओसी के पार स्थित आतंकियों के बंकरों को निशाना बनाया जा सकेगा। सेना ने आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने के लिए इजराइल से 240 स्पाइक मिसाइलें खरीदी हैं। इन मिसाइलों का इस्तेमाल मूल रूप से टैंक विध्वंसक के तौर पर किया जाना था, लेकिन इसे बंकरों को नष्ट करने के लिए भी प्रयोग किया जा सकेगा। दरअसल, सीमा पार आतंकी छिपने के लिए बंकरों का इस्तेमाल करते हैं। एक महीने पहले सेना ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकियों के कई लॉन्च पैड और ट्रेनिंग कैंप नष्ट किए थे। इस ऑपरेशन में 4-6 आतंकी मारे गए थे। अब स्पाइक मिसाइल की तैनाती के बाद, इस तरह के ऑपरेशन को अंजाम देना आसान होगा।

व्यापमं: पुलिस आरक्षक भर्ती घोटाला

30 दोषियों को 7-7 साल और दलाल त्यागी को 10 साल की सजा

व्यापमं घोटाले से जुड़े 14वें केस में फैसला, पहली बार सभी आरोपियों को सजा हुई

व्यापमं की पुलिस आरक्षक भर्ती परीक्षा 2013 के मामले में सोमवार को सीबीआई की विशेष अदालत ने अपना फैसला सुनाया। अदालत ने 30 दोषियों को को 7-7 साल, जबकि दलाल प्रदीप कुमार त्यागी को 10 साल की सजा सुनाई। अदालत ने दलाल त्यागी को मुख्य सूत्रधार माना। पिछले सप्ताह (गुरुवार को) सीबीआई की विशेष अदालत ने मामले में सभी 31 आरोपियों को दोषी करार दिया था और आज के लिए फैसला सुरक्षित रख लिया था। मामले में जिन्हें सजा हुई, उसमें 12 परीक्षार्थी, 12 फर्जी परीक्षार्थी (जिन्होंने मुख्य परीक्षार्थियों की जगह परीक्षा दी) और 7 दलाल शामिल हैं। विशेष जज जस्टिस एसबी साहू ने सजा सुनाने के बाद, सभी आरोपियों को भोपाल सेंट्रल जेल भेज दिया। व्यापमं से जुड़े 150 मामलों में से 14वें केस में सोमवार को फैसला आया, लेकिन पहली बार कोर्ट ने सभी आरोपियों को दोषी माना।

अदालत ने इन्हें सुनाई 7-7 साल की सजा

अदालत ने राहुल पांडे, आशीष कुमार पांडे, कुलविजय, अभिषेक कटियार, सुयश सक्सेना, प्रभाकर शर्मा, नीरज उर्फ टिंकू, अनिल यादव, अजय सांकेरवार, धरमेश साहू, फूलकुंवर, देवेंद्र साहू, अजीत चौधरी, भूपेंद्र सिंह तोमर, संतोष शर्मा, चंद्रपाल कश्यप, पंजाब साहू, रविशंकर, नावीस जाटव, मुकेश साहू, अरुण गुर्जर, उदयभान साहू, दानिश धाकड़, अंतनदर साहू, पृथ्वेंद्र साहू तोमर, सुदीप शर्मा, अजय प्रताप साहू, कल्यानी साहू सिकरवार, गुलवीर सिंह जाट और राजवीर सिंह उर्फ बंटी को 7-7 साल की सजा सुनाई।

सजा का आधार: 450 दस्तावेज, 90 गवाहों के बयान

सीबीआई के विशेष लोक अभियोजक सतीश दिनकर ने बताया कि व्यापमं की यह परीक्षा 15 सितंबर 2013 को हुई थी। गड़बड़ी की शिकायत के बाद भोपाल और दतिया के सेंटरों पर कार्रवाई के दौरान 31 आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज हुआ था। सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर मामले की जांच एसटीएफ से सीबीआई को सौंपी गई थी। अदालत में 450 से ज्यादा दस्तावेज और 90 गवाहों के बयान लिए गए।

इस तरह पकड़े गए परीक्षा में फर्जीवाड़े के आरोपी: सतीश दिनकर ने बताया कि दोषी परीक्षार्थियों ने फार्म भरते समय, अपनी जगह किसी सॉल्वर से परीक्षा दिलाने का प्लान बनाया था। उन्होंने परीक्षा फार्म में अपने धुंधले फोटो लगाए थे, ताकि पर्यवेक्षक सॉल्वर को पहचान न सकें। जब पर्यवेक्षकों ने परीक्षार्थी के चेहरे से फोटो का मिलान किया, तो गड़बड़ी का खुलासा हुआ। इस मामले में दतिया से 6 और भोपाल से 6 परीक्षार्थी गिरफ्तार हुए, वहीं भोपाल से असली परीक्षार्थियों की जगह परीक्षा दे रहे 12 लोगों की गिरफ्तारी हुई। पूछताछ के बाद, पुलिस ने 7 दलालों को गिरफ्तार किया था। ज्यादातर आरोपी भिंड, मुरैना, दतिया, ग्वालियर, भोपाल और उत्तरप्रदेश के थे।

घोटाले में 170 एफआईआर, 16 मामलों में खात्मा: सीबीआई ने व्यापमं घोटाले में 170 एफआईआर दर्ज की थीं। इनमें से 143 मामलों में चार्जशीट दाखिल हो चुकी है, 7 मामलों की जांच जारी है। संदिग्ध मौतों के 16 मामलों सहित 20 मामलों में खात्मा लगाया जा चुका है। इससे जुड़े केसों में 2500 से ज्यादा लोग आरोपी हैं, जिनमें से करीब 1000 परीक्षार्थी हैं। जुलाई 2015 से सीबीआई इस घोटाले की जांच कर रही है।

गठबंधन सरकारों की उम्र ज्यादा नहीं होती!

अशोक भाटिया

यदि गठबंधन सरकारों का इतिहास देखा जाय तो भारत में गठबंधन सरकारों की उम्र ज्यादा नहीं होती है। यही संग्रहीत आंकड़ों पर नजर डाले तो 1977 में पहली बार केंद्र में जनता पार्टी की गठबंधन की सरकार बनी थी। जो आपसी विवादों के चलते ज्यादा समय तक नहीं चल पाई थी। उस समय भी कांग्रेस ने जनता पार्टी सरकार के प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई व चौधरी चरण सिंह के बीच मनमुटाव पैदा करवा दिया था। कांग्रेस ने चौधरी चरण सिंह को समर्थन देकर प्रधानमंत्री तो बनवा दिया मगर उनकी केंद्र सरकार कुछ महिनो में ही गिर गई थी। 1989 में विश्वनाथ प्रताप सिंह के नेतृत्व में केंद्र में एक बार फिर से जनता दल, भाजपा व वामपंथियों की गठबंधन सरकार बनी थी लेकिन आपसी खींचतान के चलते 1990 में उन्हें भी प्रधानमंत्री पद छोड़ना पड़ा था।

इस बार भी कांग्रेस ने जनता दल के नेता चंद्रशेखर को भड़का कर वीपी सिंह के खिलाफ कर दिया था। जिस कारण वीपी सिंह को प्रधानमंत्री का पद छोड़ना पड़ा था। फिर 1990 में कांग्रेस के समर्थन से चंद्रशेखर देश के प्रधानमंत्री बने जो मात्र 8 महीने के बाद लोकसभा चुनाव में बुरी तरह से परास्त हो गए थे। उसके बाद 1991 में हुये चुनावों में कांग्रेस फिर से एक बार सरकार बनाने में सफल हुई थी। 1996 में भारतीय जनता पार्टी के नेता अटल बिहारी वाजपेयी गठबंधन सरकार के प्रधानमंत्री बने लेकिन वह सरकार कुछ दिनों में गिर गई। फिर 1996 में जनता दल के नेता एचडी देवगौड़ा प्रधानमंत्री बने लेकिन 1997 में उन्हें भी आपसी खींचतान के चलते पद से इस्तीफा देना पड़ा। 1997 में इंद्र कुमार गुजराल प्रधानमंत्री बने लेकिन उन्हें भी 1998 में पद छोड़ना पड़ा था। ऐसे ही कुछ उदाहरण विभिन्न प्रदेशों में गठबंधन सरकारों के देखे जा सकते हैं। जम्मू-कश्मीर में दो विपरीत विचारधारा वाली पार्टियों भारतीय जनता पार्टी व पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी ने मिलकर गठबंधन सरकार बनाई मगर आधे कार्यकाल में ही सरकार को इस्तीफा देना पड़ा था। इस सरकार के हटने का मूल कारण दोनों दलों की विचारधारा में टकराव को माना जाता है। 12 मई 2018 को कर्नाटक विधानसभा के चुनाव में सत्तारूढ़ कांग्रेस हार गई थी। वहां भारतीय जनता पार्टी 104 सीटें जीतकर सबसे बड़े दल के रूप में उभरी थी। मगर कांग्रेस ने जनता दल एस से हाथ मिलाकर गठबंधन सरकार बना ली जो एक साल भी नहीं चल पाई। उससे पूर्व कर्नाटक में भाजपा और जनता दल सेक्युलर के गठबंधन की सरकार बनी थी मगर वह भी अपना कार्यकाल पूरा करने से पहले ही सत्ता से चली गई थी।उत्तर प्रदेश में दो विपरीत विचारधारा वाले दल भारतीय जनता पार्टी व बहुजन समाज पार्टी ने मिलकर सरकार बनाई थी मगर आधे समय में ही सरकार को सत्ता से हटना पड़ा था। उसके बाद 1993 में समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी ने गठबंधन कर सरकार बनाई जिसमें मुलायम सिंह यादव मुख्यमंत्री बने थे। मगर बीच रास्ते में ही बसपा नेता मायावती ने धोखा दे दिया और 2 जून 1995 को सरकार से अपना समर्थन वापस ले लिया था।

उस समय मुलायम सिंह ने बसपा विधायकों को तोड़ कर अपनी सरकार बचा ली थी।दिल्ली में कांग्रेस से गठबंधन कर आप ने सरकार बनाई मगर वह सरकार 49 दिन ही चल पाई थी। उसके बाद 2015 में हुये विधानसभा चुनाव में कांग्रेस का एक भी विधायक नहीं जीता था। आप पार्टी के 70 में से 67 विधायक जीते। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में आज भी आप की सरकार चल रही है। गठन के 19 साल के समय में ही झारखंड में 10 सरकारें बन चुकी हैं। वहां तीन बार राष्ट्रपति शासन लग चुका है। झारखंड में हर बार गठबंधन सरकार बनी मगर कोई भी सरकार अपना आधा कार्यकाल भी पूरा नहीं कर पाई। 2014 में जरूर भाजपा ने आजसू के साथ गठबंधन कर सरकार बनाई थी। मगर बाद में मुख्यमंत्री रघुवर दास ने झारखंड विकास मार्चा के चार विधायकों को भाजपा में शामिल करवा कर पूर्ण बहुमत से पांच साल सरकार चलाई है।अब महाराष्ट्र में भी गठबंधन सरकार बनने जा रही है उसका क्या होगा यह तो समय ही बता सकेगा।

पत्रकारिता के मापदंडों और पत्रकारों के हित की रक्षा हेतु 'पत्रकार विकास संघ' के रूप में ग्यारह वर्ष पूर्व एक स्वप्न देखा गया जो अब मुंबई महानगर ही नहीं अपितु महाराष्ट्र राज्य के अन्य भागों में भी लोकतंत्र के चौथे स्तंभ की पुरजोर आवाज बन चुका है। अपनी स्थापना से लेकर अब तक संस्था ने पत्रकारों की समस्याओं के समाधान तथा सामाजिक गतिविधियों में हमेशा सहभागिता की है। 15 दिसंबर को संस्था के 11वें स्थापना दिवस समारोह में पत्रकारिता के हर क्षेत्र के प्रतिष्ठित और क्रियाशील पत्रकारों को पुरस्कृत किया जाएगा। पिछले वर्ष संस्था ने दशकपूर्ती वर्ष में पत्रकारिता और समाज के सुधी जनों को विभिन्न पुरस्कारों से पुरस्कृत करना शुरू किया। इसके अंतर्गत सुनील मेहरोत्रा,निलेश खरे, सुनील सिंह समेत प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और डिजिटल मीडिया के पत्रकारों को उनके वर्ष भर के लेखों या कार्यक्रमों के लिए पुरस्कृत किया। पिछले वर्ष की ही भाँति इस वर्ष भी पीवीएस पुरस्कार की के नामांकन हेतु प्रविष्टयां आमंत्रित की जा रही हैं इच्छुक पत्रकार, फोटोग्राफर, वीडियो पत्रकार, यूट्यूब चैनल, संपादक सभी लोग पीवीएस के कार्यालय में या ईमेल पर अपना आवेदन कर सकते हैं।

Pvs news -15no., office, 1st floor, m d chal, opp malad shopping center, s v road, malad west, near hotel aditi mumbai- 400064, office no.-022-28802232 9594441144. pvsnews1@gmail.com

अयोध्या: अगर मुस्लिम पक्षकार जमीन न लें तो हमें दी जाए, शिया वक्फ बोर्ड अस्पताल का निर्माण करेगा: वसीम रिजवी

शिया वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष वसीम रिजवी ने सोमवार को कहा कि अगर सुन्नी वक्फ बोर्ड और ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (एआईएमपीएलबी) अयोध्या में 5 एकड़ जमीन नहीं लेना चाहते हैं तो सरकार को वह जमीन शिया वक्फ बोर्ड को दे देना चाहिए। बोर्ड वहां भगवान राम के नाम पर अस्पताल बनवाएगा। वहां मंदिर-मस्जिद के अलावा गुरुद्वारा और चर्च भी होगा। वसीम रिजवी ने कहा- पूरी दुनिया में भगवान राम के नाम पर कोई विवाद नहीं है। इस्लामी मान्यता के अनुसार, पैगंबर मोहम्मद की तुलना में पहले जन्म लेने वाला कोई भी महान पैगंबर का पूर्वज है। गर्व होना चाहिए क्योंकि हजारों साल पहले भगवान राम यहां पैदा हुए थे। सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड ने 26 नवंबर को लखनऊ के मॉल एवेन्यू स्थित बोर्ड के कार्यालय में बैठक बुलाई है। इस दौरान सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए गए फैसले पर विचार होगा। बोर्ड चेयरमैन जुफर फारुकी ने बताया- बैठक में हम लोग तय करेंगे कि फैसले के अनुपालन में बोर्ड को क्या करना है? बोर्ड यह फैसला भी करेगा कि पांच एकड़ जमीन उसे कुबूल है या नहीं। अगर जमीन लेनी चाहिए तो वहां मस्जिद के अलावा क्या-क्या निर्माण होगा।

दिल्ली प्रदूषण: सुप्रीम कोर्ट ने कहा- लोग गैस चैंबर में रहने को मजबूर क्यों?

इससे अच्छा तो सबको 15 बैग में विस्फोटक भरकर मार डालो

दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण और वायु की गुणवत्ता को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को केंद्र पर तल्ख टिप्पणी की। कोर्ट ने केंद्र से पूछा कि दिल्ली के लोगों को गैस चैंबर में रहने को क्यों मजबूर किया जा रहा है। जस्टिस अरुण मिश्रा की बेंच ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से कहा, लोग इस तरह तकलीफ झेलने को मजबूर क्यों रहें, बेहतर तो यह होगा कि 15 बैगों में एक साथ विस्फोट करके उन्हें एक बार में मार दीजिए। हम स्तब्ध हैं कि अब भी दिल्ली में एक-दूसरे पर इल्जाम लगाने का खेल चल रहा है। कोर्ट ने कहा- लोग हमारी हंसी उड़ा रहे हैं कि हम पराली जलाना तक नहीं रोक सकते। आरोप-प्रत्यारोप से दिल्ली के लोगों का भला नहीं होगा। प्रदूषण को गंभीरता से न लेकर आप लोग इल्जाम लगा रहे हैं। जस्टिस अरुण मिश्रा ने कहा- दिल्ली का हाल नर्क से भी बदतर है। भारत में जिंदगी इतनी सस्ती नहीं है, आपको इसकी कीमत चुकानी होगी। आपको कुर्सी पर बैठने का अधिकार नहीं है। दिल्ली के मुख्य सचिव से कोर्ट ने कहा- आप हर आदमी को कितने लाख रुपए देंगे? आपकी नजर में किसी की जिंदगी की कीमत क्या है? दिल्ली के मुख्य सचिव ने कोर्ट में कहा- शक्ति के 2 केंद्र होने की वजह से दिल्ली गवर्नेंस की समस्या झेल रही है। इस पर अदालत ने दोनों सरकारों को अपने मतभेद परे रखकर, 10 दिन में शहर के अलग-अलग हिस्सों में हवा साफ करने वाले टॉवर (एयर प्यूरिफायर टॉवर्स) लगाने की योजना पेश करने के आदेश दिए। अदालत ने कहा कि वह राजधानी में जल प्रदूषण के मामले में स्वयं संज्ञान लेकर जांच करेगी कि लोगों को मिल रहा पेयजल सुरक्षित है या नहीं। कोर्ट ने केंद्र और दिल्ली सरकार को इससे संबंधित सभी आंकड़े प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। जस्टिस अरुण मिश्रा ने उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव से कहा- पराली जलाने की घटनाएं बढ़ी हैं, ऐसे में आपको और आपकी मशीनरी को सजा क्यों नहीं दी जानी चाहिए? हम आपको बख्शने वाले नहीं हैं। सभी को यह समझ लेना चाहिए कि इस मामले में किसी को नहीं बख्शा जाएगा। इस पर उप्र के मुख्य सचिव ने अदालत को बताया कि राज्य में पराली जलाने वालों के खिलाफ 1000 एफआईआर की जा चुकी हैं और करीब 1 करोड़ रुपए का जुमार्ना किया जा चुका है। कोर्ट ने मुख्य सचिव से कहा कि वह दंड देने के आंकड़े गिनाने की बजाय सुधारात्मक कदमों के बारे में बताएं।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

अब तो लगता है कि जिसका गवर्नर, उसकी सरकारः अखिलेश

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने महाराष्ट्र में सियासी उलटफेर के बाद बनी बीजेपी-एनसीपी सरकार पर निशाना साधा है। अखिलेश ने कटाक्ष करते हुए कहा कि अब तो यही लगता है कि जिसका गवर्नर, उसकी सरकार होगी।

महाराष्ट्र में बनी सरकार के बारे में अखिलेश ने कहा, 'अब तो यही लगता है कि जिसका भी राज्यपाल होगा, उसकी ही सरकार बनेगी।' बता दें कि महाराष्ट्र की राजनीति में तेजी से बदले घटनाक्रम के बाद देवेंद्र फडणवीस फिर से मुख्यमंत्री बन गए हैं। शनिवार सुबह उन्हें राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी ने सीएम पद की शपथ दिलाई। एनसीपी के अजित पवार के

समर्थन से सरकार बनी, जिन्हें डेप्युटी सीएम बनाया गया है।

इससे पहले कांग्रेस ने भी महाराष्ट्र के मसले पर गवर्नर और केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। कांग्रेस प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने कहा कि इस घटना से 23 नवंबर देश के लोकतांत्रिक इतिहास में काले अध्याय के तौर पर जुड़ गया है। उन्होंने अजीत पवार को डेप्युटी सीएम बनाए जाने पर सवाल उठाते हुए कहा कि बीजेपी उन पर 72,000 करोड़ रुपये के घोटाले का आरोप लगाते हुए जेल भेजने की बात कह रही थी। फिर उन्हें साथ क्यों लिया?

कांग्रेस ने सीधे गवर्नर भगत सिंह कोश्यारी को निशाने पर लेते हुए कहा कि उन्होंने संविधान के रक्षक के तौर पर नहीं बल्कि गृहमंत्री अमित शाह के हिटमैन के तौर पर काम किया। कांग्रेस ने मिडनाइट ड्रामे को लेकर दस सवाल भी दागे हैं।

दिल्ली बन रही 'क्राइम कैपिटल'? इस साल हत्या, चोरी, रेप की घटनाओं में इजाफा

नई दिल्ली। पुलिस के आंकड़ों के मुताबिक दिल्ली में अपराध पहले से ज्यादा बढ़ गए हैं। 15 नवंबर तक शहर में 459 हत्याओं की शिकायत दर्ज कराई गई। यह आंकड़ा पिछले साल के मुकाबले 5 प्रतिशत ज्यादा है। इसके अलावा इसी साल रेप की 1947 शिकायतें दर्ज कराई गई हैं। पिछले साल 1921 रिपोर्ट दर्ज हुई थीं।

ये आंकड़े दिल्ली की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाते हैं। 15 जुलाई तक दिल्ली पुलिस ने हत्या के 283 मामले दर्ज किए गए थे जो कि 2018 के मुकाबले 13 प्रतिशत ज्यादा हैं। वहीं पिछले तीन महीने में उन हत्याओं की संख्या में भी बढ़ोतरी हुई है जिनके आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं की जा सकी। अगर दो बड़ी घटनाओं की बात करें तो सितंबर में मधु विहार में कार में हुई महिला की हत्या और ज्योति नगर में 44 साल के कारोबारी की हत्या की गुत्थी अबतक नहीं सुलझी है।

मधु विहार वाले मामले में 59 साल की ऊषा देवी को मंदिर के सामने कार में ही मार दिया गया था। वह अपने पति का इंतजार कर रही थीं। घटना 16 सितंबर की है। गोली मारने के बाद आरोपी बाइकसवार फरार हो गए थे। दिल्ली पुलिस के अधिकारियों का कहना है कि 2017 और 18 की ही तरह अधिकतर हत्याओं की वजह अचानक हुआ झगड़ा है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया, 'हम हथियारों की संख्या कम करने में कामयाब रहे हैं। बड़ी संख्या में हथियार जब्त किए गए हैं।' क्राइम डेटा यह भी बताता है कि 15 नवंबर तक वाहनों की चोरी में भी बढ़ोतरी हुई है। इस साल में अब तक 40,736 वाहन चोरी की शिकायतें दर्ज हुई हैं। वहीं पिछले साल 40,073 शिकायतें दर्ज हुई थीं। इससे पता चलता है कि औसतन 130 वाहन रोज दिल्ली में चोरी हो जाते हैं। कुल मिलाकर जघन्य और अन्य अपराधों की बात करें तो इस साल कुल 2,63,030 मामले दर्ज किए गए हैं जबकि पिछले साल 2,14,214 केस दर्ज हुए थे। डेटा के मुकाबले इस साल किडनैपिंग और फिरौती के 13 मामले दर्ज हुए हैं, जबकि 2018 में इसी अविधि तक 18 केस दर्ज कराए गए थे। सूत्रों के मुताबिक एलजी अनिल बैजल ने पुलिस कमिश्नर अमूल्य पटनायक को तुरंत मजबूत कदम उठाने को कहा है जिससे इन आंकड़ों पर लगाम लगाई जा सके।

दिल्ली बीजेपी की हालत बिना दूल्हें की बारात जैसी हैः आप

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (अअढ) ने कहा कि दिल्ली बीजेपी की हालत बिना दूल्हे की बारात जैसी हो गई है। रविवार को केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी ने बयान दिया था कि दिल्ली में बीजेपी की ओर से मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार मनोज तिवारी होंगे। बीजेपी उनके नेतृत्व में ही चुनाव लड़ेगी। इस बयान से बीजेपी ने यू टर्न ले लिया है। एक बयान जारी करते हुए अअढ की की वरिष्ठ नेता और प्रवक्ता आतिशी ने कहा कि हरदीप पुरी न केवल बीजेपी की केंद्र सरकार में कैबिनेट मंत्री हैं, बल्कि दिल्ली के चुनाव में सह प्रभारी भी हैं।

उन्होंने कहा, एक सह प्रभारी के बयान का एक महत्व होता है। पुरी ने यह बयान एक सार्वजनिक मंच से दिया। किसी सार्वजनिक मंच से जनता के बीच में की गई घोषणा यूं ही नहीं होती है। उन्होंने बीजेपी पूछा है कि 2 ही घंटे में मनोज तिवारी के सीएम पद की उम्मीदवारी को वापस ले लिया गया, क्या बीजेपी को मनोज तिवारी की प्रतिभा पर विश्वास नहीं है? क्या बीजेपी को

लगता है कि मनोज तिवारी अरविंद केजरीवाल के सामने टिक नहीं पाएंगे? क्या बीजेपी को लगता है मनोज तिवारी मुख्यमंत्री पद के लिए अरविंद केजरीवाल के सामने एक छोटा चेहरा है? उन्होंने जो कहा उससे ऐसा प्रतीत होता है जैसे कि बारात तो है पर दूल्हा नहीं है?

गौरतलब है कि रविवार को एक कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा था कि दिल्ली में वे मनोज तिवारी को मुख्यमंत्री बनाकर ही दम लेंगे। विधानसभा चुनाव में बीजेपी की ओर से संभावित मुख्यमंत्री को लेकर बवाल शुरू हो गया है। लेकिन हकीकत यह है कि बीजेपी ने चुनाव से पहले जब भी संभावित मुख्यमंत्री की घोषणा की, उसे हार का सामना करना पड़ा।

1998 से लेकर 2015 तक बीजेपी ने विधानसभा चुनाव के दौरान संभावित सीएम की घोषणा की। इस दौरान पांच चुनाव हुए, जिसमें बीजेपी हार गई। सिर्फ 1993 के चुनाव में बीजेपी ने संभावित सीएम की घोषणा नहीं की थी और उसे जीत हासिल हुई।

फल कारोबारी से 10 सेकंड में लूट ले गए साढ़े 3 लाख

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के निरालानगर इलाके में शुक्रवार दोपहर 4 बजकर 21 मिनट पर बाइक सवार बदमाश महज 10 सेकंड में गल्ला मंडी से लौट रहे फल कारोबारी से साढ़े तीन लाख रुपये लूट ले गए। रुपये बचाने की कोशिश में बुलेट सहित गिरने के बावजूद कारोबारी ने बैग नहीं छोड़ा और बदमाशों से भिड़ गया। बीच सड़क पर लूट की कोशिश के दौरान फंसने की आशंका पर बदमाशों ने कारोबारी को निशाना बना फायर झोंक दिया।

ग्राम स्वराज के बहाने हर घर तक पहुंचेगी भाजपा

लखनऊ। भाजपा ने 2022 के चुनावों से पहले ही अपनी पुख्ता तैयारी को धार देना शुरू कर दिया है। भाजपा ने योजना बनाई है कि वह एक दिसंबर से यूपी के हर गांव तक अपनी बात पहुंचाएगी। इसके लिए भाजपा के कार्यकर्ता ग्राम स्वराज अभियान चलाएंगे और दो महीने तक लगातार हर गांव के हर घर तक पहुंचकर अपनी बात कहेंगे, उनकी सुनेंगे।

भाजपा ने महात्मा गांधी के 150वीं जयंती वर्ष में इस अभियान को शुरू किया है। इसमें मंडल अध्यक्ष से ऊपर के कार्यकर्ता सभी गांवों में हर सप्ताह में एक दिन जाएंगे। हर कार्यकर्ता एक गांव में जाएगा और वहां नियमित तौर पर लोगों के साथ बैठकर बात करेगा। कार्यकताओं से कहा गया है कि वे किसी गांव में जाएं तो गांव वालों से बातचीत की शुरूआत केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं से करें। वह गांव वालों से चर्चा करके योजनाओं का प्रचार-प्रसार करेंगे।

इसके बाद वे सरकारी योजनाओं के तीन करोड़ से भी ज्यादा लाभार्थियों से भी संपर्क करेंगे। इसमें उनसे सभी

योजनाओं का फीड बैक लेंगे। उनसे पूछा जाएगा कि क्या उन्हें योजनाओं का मुफ्त लाभ मिला है? क्या वे योजनाओं से फायदा उठा पाए हैं।

परिवार के कितने लोगों को उसका लाभ मिला है? कार्यकर्ता इसके साथ ही गांव के प्रभारी और प्रबुद्ध लोगों से भी मिलेंगे और उन्हें भी पार्टी और सरकार की नीतियों के बारे में समझाएंगे। वह बूथ समिति की भी बैठकें करेंगे और कोशिश करेंगे कि बूथ का कोई न कोई कार्यकर्ता उनके संपर्क में नियमित तौर पर रहे।

बीएसपी के नेताओं के लिए नया ठौर बन रही समाजवादी पार्टी

लखनऊ। समाजवादी पार्टी का बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) से गठबंधन भले टूट गया, लेकिन इस 'अल्पकालिक' दोस्ती में बीएसपी के कई नेताओं को एसपी ठीक से भा गई है। लोकसभा चुनाव और खासकर विधानसभा उपचुनाव के बाद बीएसपी के कई नेताओं ने एसपी का दामन थामना शुरू कर दिया है। आगे यह सिलसिला और तेज होने के कयास हैं।

पिछले तीन महीने में बीएसपी के मंडल से लेकर प्रदेश स्तर के 15 से अधिक नेताओं ने एसपी का दामन थामा है। इसमें पूर्व प्रदेश अध्यक्ष, पूर्व कैबिनेट मंत्री जैसे चेहरे हैं। कुछ पूर्व सांसद व अन्य पदाधिकारी बसपा से इस्तीफा देकर नई राह चुनने के लिए बैठे हैं।

बीएसपी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष दयाराम पाल ने पिछले महीने एसपी जॉइन की थी। उनके साथ को-ऑर्डिनेटर रह चुके मिठाई लाल को भी सपा भा गई। बीएसपी सरकार में स्वास्थ्य राज्यमंत्री रहे भूरेलाल, कैबिनेट मंत्री रहे कमलाकांत गौतम ने भी अखिलेश की मौजूदगी में पिछले दिनों एसपी का दामन थामा।

देखिए: क्रूज वकेशन के लिए बेस्ट हैं दुनिया के ये शहर

वकेशन पर तो आप कहीं न कहीं जरूर गए होंगे लेकिन अगर आप अभी तक क्रूज वकेशन पर नहीं गए, तो यह खबर आपके लिए है। यह अपनी तरह का अलग अनुभव है जिसे हासिल करने की बहुत से लोगों की इच्छा होती है। अपने पूरे परिवार के साथ एक यात्रा का आनंद लेना हर किसी को पसंद होता है। यात्राओं में अगर क्रूज पर छुट्टियां बिताने का अवसर मिले तो वह यादगार बन जाता है। यह एक ऐसा अनुभव होता है, जिसे हर उम्र के लोग एंजॉय कर सकते हैं। आज अपनी इस रिपोर्ट में आपके लिए उन पांच जगहों को तलाश कर लाए हैं, जिन्हें क्रूज वेकेशन के लिए बेस्ट स्पॉट माना जाता है। जानिए लिस्ट के बारे में....

ब्यूनर्स आयर्स, अर्जेंटीना

अर्जेंटीना के ब्यूनर्स आयर्स शहर में जब क्रूज पहुंचाता है तो आपको आधुनिकता के साथ इतिहास की झलक भी देखने को मिलेगी। यहां रोज गार्डन की यात्रा करेंगे, तो आपको बेहतर अनुभव मिलेगा। राष्ट्रीय कला संग्रहालय में 19वीं और 20वीं सदी की कला और उसे जानने वालों के ग्रुप दिखेंगे। इस शहर के कई जलमार्गों में गोंडोला की सवारी का आनंद भी ले सकते हैं। यहां रात बिताने के लिए भी जबरदस्त माहौल मिलता है।

फ्लोरेंस, इटली

इटली की रोमांटिक राजधानी फ्लोरेंस को कई फिल्मों में भी दिखाया गया है। यह सच है कि फ्लोरेंस की सुंदरता देखकर हर कोई हैरान रह जाता है। यहां भी आप क्रूज से फ्लोरेंस में पहुंच सकते हैं और मध्ययुगीन चर्चों और बेहतर तरीके से बनाए गए संग्रहालयों से जुड़ने वाली सड़कों पर टहलने का अनुभव भी खास है। यहां पुराने स्कूल भी आकर्षक हैं और आप दिन में यहां घूमना निश्चित रूप से पसंद करेंगे।

हॉन्गकॉन्ग

हॉन्गकॉन्ग क्रूज यात्रा के लिए एक शानदार जगह है। यहां की योजना बनाएं तो कई दर्शनीय स्थलों का अद्भुत विकल्प आपको मिल सकता है। आप क्रूज पर हॉन्गकॉन्ग

पहुंचकर डिज्नीलैंड का रास्ता भी चुन सकते हैं। यहां बच्चों के साथ समय बिता सकते हैं। इसके अलावा आप स्थानीय दर्शनीय स्थलों को तलाशेंगे तो यहां कई द्वीपों का भी पता लगा सकते हैं।

माउ, हवाई

क्रूज लाइनर जब आपको हवाई पहुंचाता है तो वहां बेस्ट जगह माउ है। यहां हरे-भरे घने जंगल और शांत समुद्र तट वास्तव में आकर्षक अनुभव देता है। यहां का इतिहास आपको काफी रोमांचक लगेगा। समुद्र तट पर ड्राइव का मजा भी आप ले सकते हैं और यहां दुनिया के सबसे बड़े निष्क्रिय ज्वालामुखी की यात्रा भी कर सकते हैं।

सिडनी, ऑस्ट्रेलिया

सिडनी में एक बार जब आपका क्रूज लाइनर पहुंचेगा तो आपको दिन भर शहर के आकर्षण घेरे रहेंगे। यहां प्रतिष्ठित सिडनी ऑपेरा है, इसके करीब भोजन की बढ़िया सुविधा और रोमांटिक समय बिताने की कई जगहें हैं। रॉयल बॉटेनिकल गार्डन में परिवार के साथ एक ओपन-एयर पिकनिक का आनंद उठा सकते हैं। प्रकृति के अद्भुत नजारे और शाम तक स्मार्ट ड्रेसिंग में समय बिता सकते हैं।

मुंबई हलचल राशिफल

आचार्य परमानंद शास्त्री

मेष
भ्रमण पर जाने से व्यय भार बढ़ सकता है। माता पिता की सेहत की चिंता रहेगी। किसी अजनबी पर विश्वास हानिकारक हो सकता है।

वृष
कार्यों के प्रति उत्साह बना रहेगा। पति पत्नी के बीच मामूली अनबन हो सकती है। संतान आपकी बातों से प्रभावित होगी।

मिथुन
भूमि या भवन में निवेश लाभदायक हो सकता है। समाज में मान सम्मान बढ़ेगा। नए व्यापारिक अनुबंध हो सकते हैं।

कर्क
जीवनसाथी के साथ वैचारिक मतभेद हो सकता है। शत्रु की प्रबलता रह सकती है। जरुरी न हो तो निवेश न करें।

सिंह
बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। व्यावसायिक यात्रा मनोनुकूल लाभ देगी।

कन्या
खानपान नियंत्रित व संतुलित रखें। मौसमी बीमारियां परेशान कर सकती हैं। परिवार के साथ धार्मिक यात्रा की योजना बन सकती है।

तुला
आय बढ़ाने हेतु किए गए प्रयास सफल होंगे। व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रह सकती है। आर्थिक पक्ष बेहतर रहने से मन प्रसन्न रहेगा।

वृश्चिक
पैसा आने से पहले ही जाने का रास्ता तैयार रहेगा। आप किसी साजिश का शिकार हो सकते हैं। खानपान पर नियंत्रण रखें।

धनु
प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। कुसगंति से बचें। राजकीय बाधा दूर होगी। धनार्जन होगा। प्रमाद न करें।

मकर
क्रोध व वाणी पर नियंत्रण रखें। मित्रों पर आंख बंद कर विश्वास न करें। भूमि भवन के कार्यों के सिलसिले में यात्रा हो सकती है।

कुंभ
जीवनसाथी को उपहार दे सकते हैं। राजकीय कार्यों में सफलता मिल सकती है। मित्रों के साथ आमोद प्रमोद में समय व्यतीत होगा। व्यापार में साझेदारी से लाभ हो सकता है।

मीन
जीवनसाथी के साथ वैचारिक मतभेद हो सकता है। संतान आपकी बातों से प्रभावित होगी। माता पिता की सेवा का भाव रहेगा।

जापान घूमने का बेहतरीन मौका, जानें आईआरसीटीसी टूर पैकेज के डीटेल

जापान घूमने की इच्छा रखने वाले लोगों के लिए इंडियन रेलवे कैटरिंग ऐंड टूरिजम कॉर्पोरेशन एक बेहतरीन ऑफर लेकर आया है। आईआरसीटीसी के इस पैकेज का नाम Joys of Japan Ex Mumbai है। आईआरसीटीसी की आधिकारिक वेबसाइट पर दी गई जानकारी के अनुसार, इस टूर की शुरूआत अगले साल 26 फरवरी को मुंबई से होगी। छह रात और सात दिनों के इस टूर पैकेज में टूरिस्ट्स के लिए ब्रेकफास्ट, लंच और डिनर की सुविधा मौजूद है।

इस पैकेज के तहत यात्री टोक्यो, माउंट फूजी, हिरोशिमा, ओसाका, क्योटो की सैर कर पाएंगे। जापान जाने वाले यात्री 26 फरवरी 2020 को रात 10 बजे मुंबई से टोक्यो के लिए उड़ान भरेंगे और 11-12 घंटे की यात्रा के बाद 27 फरवरी को टोक्यो पहुंचेंगे। जबकि वापसी में 03 मार्च को टोक्यो से मुंबई के लिए उड़ान भरेंगे।

इस पैकेज के तहत अकेले यात्रा पर आपको 2,06,000 रुपए, डबल शेयरिंग में 1,72,000 और ट्रिपल शेयरिंग में 1,72,000 रुपए देने होंगे। वहीं, अगर आपके साथ बच्चा है और आप बेड सुविधा लेते हैं तो 1,72,00 रुपए और बिना बेड के 1,38,000 रुपए देने होंगे। आईआरसीटीसी ने इस टूर पैकेज से जुड़ी जानकारी अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर दी है।

बता दें कि जापान की यात्रा अपनी प्राकृतिक सुंदरता के लिए फेमस जापान को 'लैंड ऑफ द राइजिंग सन' कहा जाता है। जापान दुनिया का चौथा सबसे बड़ा द्वीपीय देश है और जिसमें लगभग 6,852 द्वीप शामिल हैं। जापान के दो-तिहाई इलाके पर मनोरम पहाड़ फैले हुए हैं, जहां कई गर्म झरने मौजूद हैं। वहीं प्लेन इलाके में जापान अत्यधिक आधुनिक प्रतीत होता है। जापान की यात्रा करने पर आपको इस देश की पारंपरिक संस्कृति से जुड़ने के कई अवसर मिलते हैं।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

स्पोर्ट्स हलचल

मुंबई, मंगलवार
26 नवंबर, 2019

70 के दशक वाली विंडीज से हमारी तुलना जल्दबाजी: कोहली

कोलकाता। विराट कोहली ने बांग्लादेश से पिंक बॉल टेस्ट जीतने के बाद कहा कि उनकी कप्तानी वाली भारतीय टीम की तुलना 1970 के दशक वाली वेस्ट इंडीज के साथ करना जल्दबाजी होगी। भारत ने यहां इडन गार्डन्स स्टेडियम में खेले गए अपने पहले डे-नाइट टेस्ट में रविवार को बांग्लादेश को पारी और 46 रनों से हरा दिया। यह भारत की पारी के अंतर से लगातार चौथी जीत है और वह ऐसा करने वाली दुनिया की पहली टीम बन गई है।

कप्तान के रूप में विराट कोहली की यह 33वीं जीत है। इसके साथ भारत ने दो मैचों की सीरीज 2-0 से अपने नाम कर ली। उसने इंदौर में खेले गए पहले टेस्ट मैच में भी बांग्लादेश को एक पारी और 130 रनों से हराया था। घर में भारत की यह लगातार 12वीं सीरीज जीत है और उसका अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है।

वेस्ट इंडीज की टीम भी 1970 से 1980 तक अपनी सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में थी और अब भारत भी उसी फॉर्म में है। कोहली ने मैच के बाद कहा कि यह सवाल उनसे 7 साल बाद पूछा जाना चाहिए ना कि 7 मैचों के बाद।

कोहली ने यहां आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'मैं केवल इतना ही कह सकता हूं कि इस समय हम अपने खेल में टॉप पर हैं। आप केवल 7 मैचों के बाद ही टीम के दबदबे का आंकलन नहीं कर सकते। आप वेस्ट इंडीज की टीम की बात कर रहे हैं, जिन्होंने 15 वर्षों तक अपना दबदबा कायम रखा।'

उन्होंने हंसते हुए कहा, 'आप मुझसे यह सवाल संन्यास के समय पूछ सकते हैं। हां, आप 7 साल बाद यह सवाल यह पूछ सकते हैं, ना कि सात मैचों के बाद।' कोहली ने कहा कि अब सोच बदल गई है और वे अब विश्व में किसी भी टीम को हरा सकते हैं।

भारत की इस जीत ने एक नया रेकॉर्ड भी अपने नाम किया है। यह टीम इंडिया की लगातार 4 टेस्ट जीत है, जिसमें उसने पारी और रनों के अंतर जीत दर्ज की है। इससे पहले दुनिया की कोई भी टीम ऐसा नहीं कर पाई थी। 142 साल के टेस्ट इतिहास में पहली बार किसी टीम ने ऐसा किया है इस सीरीज में भारत ने बांग्लादेश को दोनों टेस्ट में पारी और रनों से अंतर से मात दी और इससे पहले यहां आई साउथ अफ्रीकी टीम को भी रांची और पुणे टेस्ट में पारी और रनों के अंतर से ही हराया था।

इस मैच में सिर्फ 968 गेंद ही फेंकी गईं। अब यह देश में नतीजे निकलने वाला सबसे छोटा मैच बन गया है। इससे पहले 2018 में अफगानिस्तान के खिलाफ भारत ने अजिंक्य रहाणे की कप्तानी में सबसे जल्दी जीत हासिल की थी।

वैगनर के पंजे से न्यू जीलैंड ने इंग्लैंड को हराया

माउंट मोनगानुई (न्यू जीलैंड)। तेज गेंदबाज नील वैगनर के पांच विकेट की बदौलत न्यू जीलैंड ने सोमवार को यहां पहले क्रिकेट टेस्ट के 5वें और अंतिम दिन इंग्लैंड को पारी और 65 रन से हरा दिया। इस जीत से न्यू जीलैंड ने दो मैचों की सीरीज में 1-0 की अजेय बढ़त बना ली है। साथ ही यह भी तय हो गया है कि टीम घरेलू सरजमीं पर लगातार 7वीं सीरीज में अजेय रहेगी।

अंतिम सत्र में न्यू जीलैंड को जीत के लिए दो विकेट की दरकार थी। सैम करन (नाबाद 29) और जोफ्रा आर्चर (30) ने नौवें विकेट के लिए 59 रन जोड़कर इंग्लैंड की ड्रॉ की उम्मीद बांधी। वैगनर ने हालांकि लगातार गेंदों पर आर्चर और स्टुअर्ट ब्राड (00) को आउट करके इंग्लैंड को 197 रन पर समेटकर न्यू जीलैंड की जीत सुनिश्चित

की।

इंग्लैंड ने पहली पारी में 353 रन बनाए थे, जिसके जवाब में न्यू जीलैंड ने नौ विकेट पर 615 रन बनाने के बाद पारी घोषित की थी। इंग्लैंड ने दिन की शुरूआत तीन विकेट पर 55 रन से की। टीम को पारी की हार से बचने के लिए इस समय 207 रन की दरकार थी। इंग्लैंड की टीम ड्रॉ के इरादे से उतरी। टीम ने बेहद धीमी बल्लेबाजी करते हुए दिन के शुरूआती 41 ओवर में कप्तान जो रूट (11) का विकेट गंवाकर सिर्फ 66 रन जोड़े।

लंच के बाद बेन स्टोक्स (28) का धैर्य जवाब दे गया और वह टिम साउदी की बाहर जाती गेंद को विकेटों पर खेल गए। वैगनर ने इसके बाद जो डेनली (35), ओली पोप (06) और जोस बटलर (00) को पविलियन भेजा, जिससे इंग्लैंड ने 17 रन पर चार विकेट गंवाए।

वैगनर ने 44 रन देकर 5 जबकि सेंटनर ने 53 रन देकर 3 विकेट चटकाए। न्यू जीलैंड को हालांकि झटका लगा जब ट्रेंट बोल्ट सुबह सिर्फ एक ओवर फेंकने के बाद पसली में दर्द के कारण मैदान से बाहर चले गए और फिर दोबारा खेलने नहीं आए।

नडाल की अगुआई में स्पेन ने छठा डेविस कप खिताब जीता

मैड्रिड। दिग्गज राफेल नडाल ने अपने शानदार सत्र का अंत रविवार को यहां डेनिस शापालोव को हराकर कनाडा पर जीत से स्पेन को छठा डेविस कप खिताब दिलाकर किया। नडाल ने शापालोव को 6-3, 7-6 से हराकर स्पेन को 2-0 की विजयी बढ़त दिलाई। पहले पुरुष एकल में रोबर्टो बतिस्ता आगुत ने फेलिक्स आगर एलियासिम को 7-6, 6-3 से हराकर स्पेन को 1-0 से बढ़त दिलाई थी।

नडाल ने मैच के बाद कहा, साल का अंत इस तरह से करके मैं बेहद खुश हूं। नडाल ने 2019 में फ्रेंच और अमेरिकी ओपन का खिताब जीतने के बाद साल का अंत दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी के रूप में किया। 19 ग्रैंड स्लैम खिताब जीत चुके नडाल की यह चौथी डेविस कप फाइनल जीत है, रोजर फेडरर से एक ज्यादा। स्पेन की टीम को इस जीत से 21 लाख डॉलर का चेक भी मिला।

ओलिंपिक 2020: भारतीय पुरुष टीम पूल ए में अर्जेंटीना और ऑस्ट्रेलिया के साथ शामिल

नई दिल्ली। टोक्यो ओलिंपिक 2020 में भारत को मौजूदा चैंपियन अर्जेंटीना और दुनिया की नंबर एक टीम ऑस्ट्रेलिया के साथ पूल ए में रखा गया है। इनके अलावा भारत के पूल में स्पेन, न्यू जीलैंड और जापान शामिल हैं।

पूल बी में बेल्जियम, नीदरलैंड्स, जर्मनी, ग्रेट ब्रिटेन, कनाडा और साउथ अफ्रीका को जगह मिली है। शनिवार को हॉकी की प्रशासनिक संस्था एफआईएच ने पूल की घोषणा की। भारत इस समय विश्व हॉकी में पांचवें रैंक पर है। इसी महीने भुवनेश्वर में भारत ने रूस को 11-3 के एग्रीगेट से हराकर ओलिंपिक के लिए क्वॉलिफाइ किया था।

भारतीय महिला टीम को भी पूल ए में जगह मिली है। उसके साथ मौजूदा चैंपियन ग्रेट ब्रिटेन और दुनिया की नंबर एक टीम नीदरलैंड्स शामिल है। इसके अलावा पूल ए में जर्मी, आयरलैंड और साउथ अफ्रीका शामिल हैं। वहीं पूल बी में ऑस्ट्रेलिया, अर्जेंटीना, न्यू जीलैंड, स्पेन, चीन और मेजबान जापान शामिल हैं।

लक्ष्य ने स्काटिश ओपन जीता, सत्र का चौथा खिताब

ग्लास्गो। भारतीय बैडमिंटन के उभरते खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने यहां स्काटिश ओपन के पुरुष एकल फाइनल में ब्राजील के यगोर कोएल्हो के खिलाफ रोमांचक जीत के साथ तीन महीने में चौथा खिताब अपने नाम किया। भारत के शीर्ष वरीय लक्ष्य ने रविवार रात हुए फाइनल में ब्राजील के अपने विरोधी को 56 मिनट में 18-21, 21-18, 21-19 से हराया। उत्तराखंड के 18 साल के लक्ष्य का पिछले चार टूर्नामेंट में यह तीसरा खिताब है। उन्होंने इससे पहले सारलोरलक्स ओपन, डच ओपन और बेल्जियम इंटरनेशनल का खिताब जीता था। आयरिश ओपन के दूसरे दौर में शिकस्त झेलने के बाद लक्ष्य ने यहां शानदार वापसी की। भारतीय खिलाड़ी ने अपने अभियान की शुरूआत आस्ट्रिया के लुका ब्रेबर के खिलाफ सीधे गेम में जीत के साथ की और फिर हमवतन किरन जार्ज को हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

राम मंदिर पर फिल्म बनाएंगी कंगना

फिल्म इंडस्ट्री में अपनी ऐक्टिंग के लिए मशहूर ऐक्ट्रेस कंगना रनौत अपनी बेबाकी के लिए भी जानी जाती हैं। कंगना रनौत का अपनी फिल्मों का चुनाव भी अलग ही रहता है। अब कंगना रनौत ने घोषणा की है, वह राम मंदिर मुद्दे पर फिल्म बनाएंगी। इस फिल्म का नाम 'अपराजित अयोध्या' होगा। यह फिल्म कंगना रनौत का प्रॉडक्शन हाउस बनाएगा। राम मंदिर कोर्ट केस पर आधारित फिल्म 'अपराजित अयोध्या' उनके प्रॉडक्शन हाउस की पहली फिल्म होगी। इस फिल्म की अगले साल शुरूआत होगी। बाहुबली सीरीज के निमार्ता केवी विजयेंद्र प्रसाद फिल्म का निर्देशन करेंगे। कंगना रनौत का कहना है कि राम मंदिर सैकड़ों साल से चर्चित मुद्दा रहा है। 80 के दशक में पैदा हुए बच्चे के रूप में मैं अयोध्या का नाम निगेटिव लाइट में सुनकर बड़ी हुई हूं। इस मामले ने भारतीय राजनीति का चेहरा बदल दिया और फैसले ने भारत में सदियों पुराने विवाद को समाप्त कर दिया है। यह मुद्दा एक तरह से मेरी पर्सनल जर्नी को दिखाता। इसलिए मैंने फैसला किया मेरे प्रॉडक्शन हाउस के लिए यह सबसे सही विषय होगा। बता दें कि हाल ही में कंगना रनौत की फिल्म 'थलाइवी' का फर्स्ट लुक टीजर और पोस्टर रिलीज कर दिया गया है। यह फिल्म तमिलनाडु की दिवंगत पूर्व सीएम जयललिता की जिंदगी पर आधारित है, जिसमें कंगना जयललिता के किरदार को निभाते हुए नजर आएंगी। 'थलाइवी' 26 जून 2020 को रिलीज होगी।

अक्षय ने बताया करीना के साथ फिल्में करने का अनुभव

फिल्म 'ऐतराज' और 'कमबख्त इश्क' में काम करने के बाद करीना कपूर और अक्षय कुमार की जोड़ी फिर से एक साथ दिखाई देने जा रही है। दोनों स्टार फिल्म 'गुड न्यूज' में एक साथ नजर आने वाले हैं। अक्षय कुमार ने हाल ही में करीना कपूर के साथ शूटिंग के अनुभव के बारे में बात करते हुए कहा कि बेबो के साथ फिल्में बनाना किसी वाइल्ड पिकनिक पर जाने जैसा है। ऐक्टर ने कहा कि वह हर बात में शानदार हैं। अक्षय कुमार ने कहा कि करीना कपूर एक चुटकी में मम्मी, दोस्त और को-स्टार बन जाती हैं। उन्होंने कहा कि वह जानते हैं कि उनके फैंस करीना कपूर और उन्हें एक साथ देखने का इंतजार कर रहे हैं। इस समय हम दोनों के लिए इस फिल्म से अच्छा कुछ नहीं हो सकता है। राज मेहता के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म में अक्षय कुमार, करीना कपूर, दिलजीत दोसांझ और कियारा आडवाणी हैं।

'नो एंट्री' के सीक्वल में काम नहीं करेंगे सलमान

पिछले काफी वक्त से ऐसी खबरें आ रही थीं, जिनमें कहा जा रहा था कि सलमान 'नो एंट्री' के सीक्वल यानी 'नो एंट्री में एंट्री' में नजर आएंगे। हालांकि सलमान की तरफ से न तो इसे लेकर कुछ कन्फर्म था और न ही ऑफिशल। लेकिन अब कन्फर्म हो चुका है कि सलमान 'नो एंट्री' के सीक्वल में नहीं होंगे। एक लीडिंग न्यूज वेबसाइट के अनुसार, सलमान ने इस फिल्म से अपना नाम हटा लिया है। बता दें कि 'नो एंट्री' के सीक्वल को बोनी कपूर और अनीस बज्मी मिलकर बनाने वाले हैं। पिछले काफी वक्त से वह सलमान की डेट्स के इंतजार में थे। लेकिन अब सलमान इस फिल्म का हिस्सा नहीं होंगे। अब इसके पीछे असल वजह क्या है, इसके बारे में तो कुछ नहीं पता। लेकिन ऐसा माना जा रहा है कि सलमान के 'नो एंट्री में एंट्री' से निकलने के पीछे अर्जुन कपूर वजह हैं। दरअसल ऐसी खबरें हैं कि बोनी 'नो एंट्री' के सीक्वल में अपने बेटे अर्जुन को भी ले रहे हैं। चूंकि अर्जुन का अफेयर सलमान की पूर्व भाभी मलाइका से चल रहा है। इसलिए सलमान इस फिल्म में काम करने के लिए जरा भी तैयार नहीं हैं। सलमान के रिश्ते मलाइका से उसी वक्त से बिगड़ गए, जब से उनके भाई अरबाज से उनका तलाक हुआ।